DECEMBER 2022 **U/ID 30679/ULE2A**

Time : Three hours Maximum : 75 marks

SECTION A — (10 × 2 = 20 marks)

किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में हों।

1. औरंगज़ेब अपने को बदनसीब बाप क्यों समझता है?
2. रौशन की माँ का परिचय दीजिए।
3. धर्मेन्द्र जज साहब से नाराज़ क्यों हैं?
4. 'वसंत ऋतु नाटक' एकांकी शीर्षक पर विचार कीजिए।
5. 'बहुत बड़ा सवाल' एकांकी का संदेश क्या है?
6. 'मुक्तिधन' कहानी का संदेश क्या है?
7. रहमान को गाय को क्यों बेचना पड़ा?
8. मिठाईवाला बच्चों से मिलकर बेहद खुश क्यों होता था?
9. प्रोफेसर साहब लड़के को क्यों डाँटते हैं?
10. तिवारी को पुत्र अविनाश ने पत्र में क्या लिखा था?

11. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

When he came back to Durban popular feeling ran against him. The Government of Natal Prevented the entry of his ship into the port for a few days.

12. अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

हम सब भारत के नागरिक हैं। हम में से हर एक इस महान समुदाय के सदस्य हैं, जिसमें हर भारतीय है। इस विशेष गौरव के लिए हमें कृतज्ञ होना चाहिए।

SECTION B — (5 × 5 = 25 marks)

किन्हीं तीन की संदर्भ सहित व्याख्या लिखिए। (3 × 5 = 15)

13. हमने जिंदगी भर इबादत का ढिंढोरा पीठा, लेकिन खुदा के पास तक नहीं पहुँच सकें। अगर पहुंच पाते, तो चलते वक्त इतने गुनाहों का बोझ हमारे सर पर न होता।

14. हमने तो भाई इसलिए कुछ कहना-सुनना छोड़ दिया है। आखिर मैंने भी तो पांच बच्चे पाले हैं। बीमारियाँ हुई, कष्ट हुए, कभी डाक्टरों के पीछे भागी-भागी नहीं फिरी।

15. मेरे खिलाफ़ जैसे कोई सख्त आज्ञा उस घर में चारों ओर खिंची रहती थी। मैंने मन ही मन अनुभव करता था। पर मैं अपने से लाचार था।

16. नाराज न होने की बात नहीं, क्योंकि प्रस्ताव खो गया है, इसलिए मैंने सोचा है कि हो सकता है कि इधर-उधर पड़ा देखकर अपने अपने बटुवे में संभाल लिया हो।

किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2 × 5 = 10)

17. दाऊदयाल का परिचय दीजिए।

18. मुरलीवाला का चरित्र-चित्रण कीजिए।

19. क्रांतिकारी का परिचय दीजिए।

SECTION C — (3 × 10 = 30 marks)

किसी एक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में लिखिए। (1 × 10 = 10)

20. एकांकी तत्वों के आधार पर 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का मूल्यांकन कीजिए।

21. औरंगज़ेब का चरित्र-चित्रण कीजिए।

किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। (1 × 10 = 10)

22. 'मिठाईवाला' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

23. 'सेब और देव' कहानी का सारांश लिखिए।

24. हिन्दी में अनुवाद कीजिए। (1 × 10 = 10)

One day Prince Siddhartha was playing in the palace-garden. He saw some wild swans flying in the sky. He loved these fine birds very much. Suddenly one of the swans dropped down from the sky and fell at his feet. There was an arrow in its side. Blood was coming out of its body. The prince

felt very unhappy. He took the arrow out of the bird gently. He put some green leaves on the wounded part. The bird slowly opened its eyes and looked at the prince. Now the prince was very happy. The bird did not die. The prince had given its look again. Then came to the prince a young man called Devadatta. He was ford of hunting and killing birds and beasts with his arrows.
